आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 218 | उज्जैन, शनिवार 28 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

भविष्य की विद्युत जरूरतों के दृष्टिगत अरुणाचल प्रदेश से 252 मेगावाट बिजली लेने का समझौता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में अनुबंध पर हुए हस्ताक्षर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में शुक्रवार को केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आवंटित 252 मेगावाट विद्युत क्रय अनुबंध पर एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी (एमपीपीसीएल) और एनएचपीसी के मध्य हस्ताक्षर हुए और एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। अनुबंध के आधार पर एनएचपीसी की अरुणाचल प्रदेश के लोअर दि बांग वैली जिले में स्थित बहुउद्देशीय जल विद्युत परियोजना से मध्यप्रदेश को केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आवंटित 252 मेगावाट विद्युत मिलेगी। विद्युत क्रय अनुबंध (पीपीए) पर एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक राकेश ठुकराल और एनएचपीसी के महाप्रबंधक ओंकार यादव ने हस्ताक्षर किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अनुबंध को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भविष्य की मांग को देखते हुए पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के अलावा विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से भी विद्युत क्रय अनुबंध आवश्यक हैं। मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है। मध्यप्रदेश में घरेलू और औद्योगिक आवश्यकताओं के साथ ही कृषि क्षेत्र में बिजली की खपत निरंतर बढ़ रही है। ऐसे में भविष्य की जरूरत का आकलन भी किया जा रहा है। इस नाते आने वाले वर्षों में विद्युत की मांग में वृद्धि की संभावनाओं को देखते हुए अरुणाचल प्रदेश से विद्युत क्रय करने का निर्णय लिया गया।

लगातार बढ़ती विद्युत मांग मध्यप्रदेश मेंऔद्योगिक एवं कृषि क्षेत्रों में विद्युत खपत में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। वर्तमान विद्युत मांग में वृद्धि के दृष्टिगत यह आकलन किया जा रहा है कि चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक मांग 20,000 मेगावाट हो सकती है। इस मांग में आने वाले वर्षों में लगातार बढ़ोत्तरी भी होगी।

कहां स्थित है बहुउद्देश्यीय जल विद्युत परियोजना अरुणाचल प्रदेश में डिवांग नदी पर एक बड़ी बहुउद्देश्यीय जलविद्युत परियोजना विकसित की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर एक दिन में 16 बार होता है दिन-रात, जानिए कब होगा रिटायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इसरो के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच चुके हैं। यहां वे 14 दिनों तक कई वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे। आइये जानते हैं आइएसएस क्या है और यह कैसे काम करता है?

आइएसएस पृथ्वी की परिक्रमा करने वाली सबसे बड़ी मानव निर्मित वस्तु है। यह नासा (अमेरिका), रोस्कोस्मोस (रूस), यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए), जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएएक्सए) और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी (सीएसए) के बीच सहकारी कार्यक्रम के रूप में संचालित होने वाला बहु-राष्ट्रीय परियोजना है।

यह वैज्ञानिक अनुसंधान, अंतरिक्ष अन्वेषण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करता है। इसकी चौड़ाई 358 फीट और वजन चार लाख किलोग्राम से अधिक है। यह पृथ्वी की कक्षा में 370 से 460 किमी की ऊंचाई पर परिक्रमा करता है, जिसे वायुमंडलीय खिंचाव के कारण समय-समय पर समायोजन की आवश्यकता होती है। सौर ऊर्जा से चलने वाले इस यान के पंखों का फैलाव (356 फीट) दुनिया के सबसे बड़े यात्री विमान, एयरबस ए380 (262 फीट) से भी अधिक है।

आ रहा है दुश्मनों का काल! भारत को रूस से कब मिलेगी S-400 की बची खेप? सामने आया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस ने गुरुवार (26 जून, 2025) को आश्वासन दिया है कि वह एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के बचे दो स्क्वाड्रनों को 2026-27 तक भारत को दे देगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इसी एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान को जमकर धूल चटाई थी। एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के चौथे और पांचवें स्क्वाड्रन की डिलीवरी में रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से देरी हुई। हाल में चीन के किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान राजनाथ सिंह और एंड्री बेलौसेव के बीच इसको लेकर द्विपक्षीय बैठक में चर्चा हुई।

5 में से 3 की डिलीवरी कर पाया रूस- इस बाबत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत-रूस रक्षा सहयोग को और ज्यादा मजबूत करने पर सार्थक चर्चा हुई। 2018 में भारत-रूस के बीच 40 हजार करोड़ रुपये की डील पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसके तहत भारत को एस-400 के 5 स्क्वाड्रन 2023 के आखिरी तक मिलने थे लेकिन अब तक भारत को सिर्फ 3 स्क्वाड्रन ही मिल पाए हैं।

एक देश नहीं चाहता आतंकवाद पर हो बात, जयशंकर ने पाकिस्तान की खोली पोल; राजनाथ के फैसले का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हाल के दिनों में चीन के दौरे पर रहे। यहां पर उन्होंने SCO बैठक में हिस्सा लिया। हालांकि, इस दौरान स्ट्ह बैठक में संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। अब राजनाथ सिंह के इस कदम को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सही ठहराया है।

दरअसल, एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि एससीओ का एक सदस्य देश संयुक्त बयान में आतंकवाद का कोई उल्लेख नहीं करना चाहता था, जबकि संगठन का गठन आतंकवाद से लड़ने के उद्देश्य से किया गया था।

जानिए क्या बोले एस जयशंकर- विदेश मंत्री एस जयशंकर ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए बताया कि जब संगठन का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद से लड़ना है और आप इसका उल्लेख करने की अनुमति नहीं दे रहे हैं, तो उन्होंने (राजनाथ सिंह) इसे स्वीकार करने में अनिच्छा व्यक्त की।वहीं, उन्होंने उस देश का नाम नहीं बताया जो परिणाम वक्तव्य में आतंकवाद का उल्लेख नहीं चाहता था। लेकिन उन्होंने पाकिस्तान पर परोक्ष कटाक्ष करते हुए कहा कि आप अनुमान लगा सकते हैं कि कौन सा देश ऐसा है।

सर्वसम्मति से चलता है SCO- विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि एससीओ सर्वसम्मति से चलता है। इसलिए राजनाथ जी ने स्पष्ट रूप से कहा कि अगर बयान में आतंकवाद का उल्लेख नहीं है, तो हम इस पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे।

आरएसएस ने आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर दिया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपातकाल के 50 वर्ष पूरा होने के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार द्वारा संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग की है।

संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि आपातकाल के दौरान जब देश में मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा था, संसद और न्यायालय दोनों पंगु थे, तब इन शब्दों को जोड़ा गया।

उनके अनुसार, बाबा भीमराव आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान की प्रस्तावना में ये शब्द शामिल नहीं थे। होसबाले गुरुवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से आयोजित इमरजेंसी के 50 साल कार्यक्रम में बोल रहे थे।

इन शब्दों को हटाने पर दिया जोर- उन्होंने कहा कि समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्दों को हटाने के लिए चर्चा तो हुई, लेकिन उन्हें निकालने के प्रयास नहीं किए गए। यह विचार करने की आवश्यकता है कि क्या ये शब्द संविधान की प्रस्तावना में शाश्वत हो गए हैं।

उन्होंने संविधान की प्रस्तावना में इन शब्दों के रखे जाने के पीछे के उद्देश्यों और उन्हें हटाने पर विचार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सरकार्यवाह ने कहा कि आपातकाल की कई बातें हैं, जिनकी समीक्षा की जानी चाहिए।

राहुल गांधी पर साधा निशाना- इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर लक्ष्य किया और कहा कि आज जो लोग संविधान की प्रति लेकर घूम रहे हैं।

अहमदाबाद में रथ यात्रा के दौरान हाथी हुआ बेकाबू

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में रथ यात्रा के दौरान खड़िया गोलावद के पास लोगों की भीड़ देखकर हाथी बेकाबू हो गया, जिससे अफरातफरी मच गई। चिड़ियाघर अधीक्षक समेत टीम मौके पर पहुंची और गजराज को डॉक्टरों की टीम ने इंजेक्शन देकर काबू में कर लिया।

बेकाबू हाथी को काबू में करने के बाद उसे बांधकर रथ यात्रा के किनारे ले जाया गया है। हाथी के बेकाबू होने की वजह से ट्रक फंस गए और करीब 15 मिनट तक खड़िया में ट्रक फंसे रहने के बाद रथ यात्रा फिर से शुरू हो गई।

ब्रह्मोस से भी घातक के-6 हाइपरसोनिक मिसाइल बना रहा भारत, कराची तक मार करने में होगी सक्षम; परीक्षण जल्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंद महासागर में भारत की ताकत और बढ़ने वाली है। के-6 हाइपरसोनिक मिसाइल को हैदराबाद स्थित डीआरडीओ की एडवांस्ड नेवल सिस्टम्स लैबोरेटरी में विकसित किया जा रहा है।

के6 मिसाइल ब्रह्मोस से भी घातक होगी- यह मिसाइल ब्रह्मोस से भी घातक होगी। इसे विशेष रूप से उन्नत एस-5 श्रेणी की परमाणु ऊर्जा चालित पनडुब्बियों के लिए डिजाइन किया गया है। अरिहंत से बड़ी परमाणु ऊर्जा चालित एस-5 पनडुब्बी 12 मीटर लंबी, दो मीटर चौड़ी होगी और दो से तीन टन तक वारहेड ले जाने में सक्षम होगी।

रिपोर्ट के अनुसार इस मिसाइल का परीक्षण जल्द होने की उम्मीद है। सबमरीन लांच्ड बैलिस्टिक मिसाइल (एसएलबीएम) के-6 को पनडुब्बियों से लांच किया जा सकेगा। के-6 मिसाइल विकसित होने के बाद भारत की उन देशों की सूची में शामिल हो जाएगा जिनके पास हाइपरसोनिक मिसाइल है।

मिसाइल पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह के हथियार ले जा सकती है- यह मिसाइल पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह के हथियार ले जा सकती है। इस समय अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन के पास हाइपरसोनिक मिसाइल है। रिपोर्ट के अनुसार के-6 एसएलबीएम 7.5 मैक (लगभग 9,261 किलोमीटर प्रति घंटे) की गति से दुश्मनों को निशाना बना सकती है।

कराची तक मार करने में सक्षम- जरूरत पड़ने पर पाकिस्तान का आर्थिक केंद्र कराची इस मिसाइल का रणनीतिक लक्ष्य हो सकता है। के-6 मिसाइल की मारक क्षमता 8,000 किलोमीटर होगी।

मिसाइल की ये होगी रेंज- भारत ने पहले के-3 (1,000 से 2,000 किलोमीटर की रेंज), के-4 (3,500 किलोमीटर की रेंज) और के-5 (5,000 से 6,000 किलोमीटर की रेंज) एसएलबीएम का परीक्षण किया है। के-4 और के-5 को पहले ही नौसेना में शामिल किया जा चुका है।

अपने कद से ज्यादा मुंह खोल रहे हैं ₹ के राष्ट्रपति..., ट्रंप के सरेंडर वाले बयान पर खामेनेई का काउंटर अटैक

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस मांग को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने ईरान से सरेंडर करने की बात कही थी। खामनेई ने इसे ट्रम्प के मुंह से निकली एक ऐसी बात करार दिया, जो उनके कद से कहीं बड़ी है। यह बयान ऐसे वक्त में आया है, जब दोनों मुल्कों के बीच तनाव अपने चरम पर है।

खामनेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ईरान को सरेंडर करना होगा। कहने की जरूरत नहीं कि यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति के मुंह से निकलने के लिए बहुत बड़ा है।

अमेरिकी अखबार द हिल के मुताबिक, खामनेई ने कहा कि अमेरिका को ईरान पर किए गए सैन्य हमलों से कुछ हासिल नहीं हुआ। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने आगे कोई हमला किया, तो उसे करारा जवाब मिलेगा।

पहली बार खामेनेई ने दिया बयान- ईरान और इजरायल के बीच युद्धविराम लागू होने के बाद गुरुवार को पहली बार ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामनेई ने बयान दिया। उन्होंने कहा, कतर के अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमला कर ईरान ने अमेरिका के मुंह पर तमाचा मारा है। यह अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा है। उन्होंने अमेरिका को भविष्य में ईरान पर दोबारा हमला न करने के लिए चेताया। कहा कि उसका परिणाम और ज्यादा घातक होगा।

ईरान के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित खामेनेई के 10 मिनट के रिकार्डेड वीडियो स्टेटमेंट में अमेरिका और इजरायल को चेतावनी और धमकियां दी गईं।

उन्होंने कहा, रविवार को तीन परमाणु संयंत्रों पर अमेरिका के हमले के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हैं। जबकि वास्तव में उस हमले से अमेरिका को कुछ भी प्राप्त नहीं हुआ। ट्रंप का बयान सुनकर कोई भी व्यक्ति बता देगा कि वह सच्चाई को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं।

पाकिस्तानी टेरेरिज्म, ऑपरेशन सिंदूर, सीमा विवाद... राजनाथ सिंह और चीनी रक्षा मंत्री की किन-किन मुद्दों पर हुई बात?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चीन के किंगदाओ में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन के सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान राजनाथ सिंह ने अपने चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जून के साथ 26 जून को द्विपक्षीय बैठक भी की। रक्षा मंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति की झलक को वापस लाने के लिए दोनों पक्षों द्वारा किए जा रहे काम को स्वीकार किया। उन्होंने स्थायी और डी-एस्केलेशन के एक संरचित रोडमैप के माध्यम से जटिल मुद्दों को हल करने की आवश्यकता

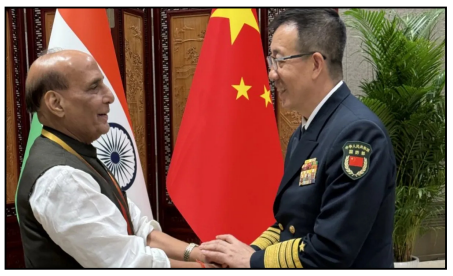

पर भी प्रकाश डाला।

भारत-चीन सीमा विवाद सुलझाने के लिए राजनाथ सिंह के सुझाव- विघटन प्रक्रिया का पालन पूरी तरह से हो।

बॉर्डर पर तनाव कम करने की कोशिश होनी चाहिए।

सीमाओं के सीमांकन और डीलिमिटेशन के टारगेट को हासिल करने के लिए सीमा विवाद को हल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने की जरूरत है।

संबंधों को बेहतर करने और मतभेदों को खत्म करने के लिए नई प्रक्रियाओं को तैयार करने के लिए मौजूदा एसआर स्तर की व्यवस्था का उपयोग किया जाना चाहिए।

राजनाथ सिंह का पोस्ट- चीन के रक्षा मंत्री के साथ मुलाकात के बाद राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर लिखा, ÷चीन के किंगदाओ में स्ष्ठह रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल जनरल डोंग जून के साथ बातचीत हुई।

उन्होंने लिखा, हमने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया। इसके साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने करीब 6 साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर की यात्रा को फिर से शुरू करने पर अपनी खुशी जाहिर की।

फैशन पावरहाउस Anna Wintour ने 37 साल बाद US Vogue मैगजीन को कहा अलविदा

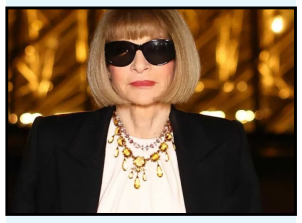

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूएस वोग मैगजीन की मशहूर चीफ एडिटर अन्ना विंटोर 37 सालों तक इस पद पर रहने के बाद इसे छोड़ रही हैं। 75 वर्षीय फैशन पावरहाउस ने गुरुवार को एक कार्यकारी बैठक के दौरान पद से हटने की घोषणा की।

साल 1988 से यूएस वोग का नेतृत्व कर रही विंटोर ने मैगजीन को फैशन की दुनिया में अलग पहचान दिलाई। 2020 से उन्होंने कॉन्डे नास्ट के ग्लोबल एडिटोरियल में भी काम किया है। यूएस वोग के चीफ एडिटर के पद से हटने के बाद विंटोर वोग के ग्लोबल डायरेक्टर के रूप में कार्यरत रहेंगी। अपने 37 साल के कार्यकाल में विंटोर ने फैशन जर्नलिज्म को परिभाषित किया, जिसमें सेलिब्रिटी कवर को लोकप्रिय बनाना, रुझान स्थापित करना और वोग का चेहरा बनना शामिल है। वह मेट गाला में भी सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बन गई थीं और इसकी मुख्य अध्यक्ष के रूप में भी काम किया है।

लंदन के हैम्पस्टेड इलाके में जन्मी अन्ना विंटोर पांच भाई-बहनों में सबसे बड़ी हैं। उनके पिता चार्ल्स विंटोर द इवनिंग स्टैंडर्ड के संपादक थे। विंटोर ने 1970 के दशक के मध्य में न्यूयॉर्क जाने से पहले लंदन में अपना करियर शुरू किया था।

पाकिस्तान में अचानक बढ़ गया नदी का जलस्तर, एक ही परिवार के 18 लोग डूबे; 4 लोगों के शव बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्वात नदी में अचानक बाढ़ आ गई। नदी में आई अचानक बाढ़ से एक ही परिवार के 18 सदस्य डूब गए। रेस्क्यू फोर्स के अधिकारियों ने 4 लोगों के शव बरामद कर लिए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि 5 अलग-अलग स्थानों पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है। रेस्क्यू टीम के 80 कर्मचारी तलाशी अभियान का हिस्सा हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, परिवार इस क्षेत्र में घूमने आया था।

घूमने के लिए पहुंचे थे पर्यटक- बताया गया कि पर्यटकों का एक समूह इस इलाके में घूमने के लिए पहुंचा था। डूबने वाले लोग इसी समूह का हिस्सा थे। भारी बारिश के कारण नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया था और लोग इसमें फंस गए थे।

स्वात नदी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी इलाके में बहती है। ये बारहमासी नदी है। अधिकारियों ने बताया कि शेष लापता व्यक्तियों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

बीजिंग में तेज रफ्तार कार ने पैदल चल रहे लोगों को रौंदा, खून से लथपथ सड़क पर पड़े लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के बीजिंग शहर में तेज रफ्तार कार का कहर देखने को मिला है। गुरुवार को बीजिंग में एक प्राथमिक विद्यालय के पास एक दुर्घटना में एक कार पैदल यात्रियों से टकरा गई जिसमें कई लोग घायल हो गए।

वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल- इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें दिख रहा है कि कुछ युवा लोग सड़क पर गंभीर रूप से घायल पड़े दिखाई दे रहे हैं, जिनमें कई तो खून से लथपथ पड़े हैं। एएफपी के मुताबिक, बीजिंग के उत्तर-पूर्व में मियुन जिले के एक चौराहे पर यह दुर्घटना हुई और लोगों को टक्कर मारते हुए कार एक पेड़ से टकरा गई। एक क्लिप में खून से लथपथ एक युवा व्यक्ति को एक शख्स प्राथमिक उपचार दे रहा है, जबकि एक क्लिप में कपड़ों के सामान इधर-उधर बिखरे हुए थे। चीनी अधिकारियों ने कहा कि हताहतों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्होंने संख्या या उनकी स्थिति के बारे में विवरण नहीं दिया।

घटना 26 जून, 2025 को दोपहर करीब 1 बजे हुई- पुलिस ने एक बयान में कहा कि 26 जून, 2025 को दोपहर करीब 1 बजे, मियुन जिले में युकाई रोड और डोंगमेन स्ट्रीट के चौराहे के पास एक यातायात दुर्घटना हुई। यहां एक प्राइमरी स्कूल मियुन बीजिंग है जिसमें छह से 12 वर्ष की आयु के बच्चे पढ़ते हैं। गनीमत रही उस समय स्कूल शुरू या खत्म होने का टाइम नहीं था नहीं घटना बड़ी हो सकती थी।

बलूचिस्तान में पाक सैनिकों पर भारी पड़ रही BLA, 6 जवानों को उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बलूच लिबरेशन आर्मी यानी बीएलए ने बलूचिस्तान में 6 पाकिस्तानी सैनिकों की हत्या की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने अपने बयान में कहा कि इन झड़पों में उसके तीन लड़ाके भी मारे गए। ये झड़पें क्वेटा, कलात और सियाजी में हुई थी। बीएलए के लड़ाके आईईडी और मोटरसाइकिलों से हमला करने की रणनीति अपना रहे हैं। इन लड़ाकों ने पाकिस्तानी सैन्य काफियों को निशाना बनाया। 22 जून को क्वेटा में बीएलए और पाकिस्तानी सैनिकों का आमना-सामना हुआ, जिसके बाद सशस्त्र झड़प भी हुई थी।

पाकिस्तान पर लगता है दमन का आरोप- इसके पहले 20 जून को भी बीएलए ने लिंगासी में पाकिस्तानी सुरक्षाबलों पर फायरिंग की थी। बता दें कि बीएलए बलूचिस्तान में एक एक्टिव सशस्त्र अलगाववादी गुट है। ये गुट लंबे वक्त से पाकिस्तान सरकार और सेना पर दमन का आरोप लगाता रहा है और स्वतंत्र बलूचिस्तान की मांग करता रहा है।

पाकिस्तान पर कई बार ये आरोप लगा है कि वह बलूचिस्तान की आबादी को लाभ पहुंचाए बिना ही क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों- गैस, खनिज आदि का दोहन करता है। बीएलए ने चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर का भी विरोध किया है। ह्यूमन राइट्स वॉच और एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने बलूचिस्तान में मानवाधिकार उल्लंघन को लेकर हमेशा चिंता जताई है।

न्यूक्लियर साइट्स को हुआ गंभीर नुकसान, ईरान का कबूलनामा; जानें कैसे अमेरिका-इजरायल के हमलों ने कर दिया बेदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच 12 दिनों तक चले संघर्ष का आखिरकार अंत हो गया और अब दोनों देशों के बीच सीजफायर हो चुका है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने परमाणु साइट्स को हुई क्षति के बारे में बयान दिया है।अराघची ने कहा कि इजरायल के साथ 12 दिनों तक चले युद्ध से ईरान के न्यूक्लियर साइट्स को हुई क्षति गंभीर है। उन्होंने यह भी कहा कि जंग के दौरान देश को जो भी नुकसान हुआ है, उसका आकलन किया जा रहा है।

अराघची का बयान-सरकारी मीडिया से बात करते हुए ईरानी विदेश मंत्री ने बताया कि ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन के विशेषज्ञों द्वारा क्षति का विस्तृत आकलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा, अब क्षतिपूर्ति की मांग और उसे प्रदान करने की आवश्यकता पर चर्चा को देश के कूटनीतिक एजेंडे में महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक के रूप में रखा गया है।

ईरान ने क्षति को बताया गंभीर- अब्बास अराघची ने कहा कि ये क्षति गंभीर हैं और विशेषज्ञ अध्ययन और राजनीतिक निर्णय लेने का काम भी चल रहा है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार कहा है कि सहयोगी इजरायल के समर्थन में ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिका द्वारा किए गए हवाई हमलों ने ईरान के परमाणु साइट्स को नष्ट कर दिया।

केरल में भारी बारिश के बीच 40 साल पुरानी इमारत ढही, तीन मजदूरों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य केरल के कोडकारा में शुक्रवार सुबह एक बड़ी दुर्घटना घटी, जिसमें तीन प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। करीब 40 साल पुरानी एक इमारत ढहने के कारण ये हादसा हुआ।

पुलिस ने बताया कि जो बिल्डिंग गिरी है, उसी इमारत में ये तीनों मजदूर रहते थे और घटना के वक्त वे काम पर जाने के लिए तैयार हो रहे थे। घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों और अग्निशमन एवं बचाव सेवाओं के अधिकारियों ने बताया कि इमारत में 17 मजदूर रह रहे थे।

14 मजदूरों को नहीं आई कोई चोट

अधिकारियों ने बताया कि 17 में से 14 मजदूर बिना किसी चोट के भागने में सफल हो गए। हालांकि, तीन मजदूरों की इस दर्दनाक घटना में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह करीब 6 बजे घटी और पूरे बचाव कार्य में करीब ढाई घंटे का समय लगा।

एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि मलबे में फंसे दो लोगों को जल्दी से बचाया जा सका, क्योंकि वे लोग सतह के करीब थे। अधिकारी ने बताया कि तीसरे व्यक्ति को बाहर निकालने में ज्यादा समय लग गया, क्योंकि वो बड़े-बड़े कंक्रीट स्लैबों के मलबे के नीचे दबा हुआ था।

जेसीबी की भी ली गई मदद- उन्होंने बताया कि बचाव अभियान में तीन यूनिट को लगाया गया था। टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों के अनुसार, मलबे को हटाने और पीड़ितों को बचाने के लिए कई अग्निशमन और बचाव कर्मियों और कुछ जेसीबी का इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने बताया कि पहले दो लोगों की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि इस बात की जांच की जानी चाहिए कि घटना किस कारण हुई।

बेटियों के ताने से था परेशान, रिटायर्ड फौजी मंदिर में दान कर आया चार करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुवन्नमलाई जिले में एक 65 साल के रिटायर्ड फौजी एस विजयन ने अपनी बेटियों से नाराज होकर अपनी 4 करोड़ रुपयों की जायदाद मंदिर को दान कर दी। उनका कहना है कि बेटियों ने उनकी दैनिक जरूरतों के लिए भी ताने मारे और जायदाद को लेकर झगड़ा किया। लेकिन अब परिवार इस जायदाद को वापस पाने के लिए कानूनी रास्ता तलाश रहा है।

एस विजयन ने कुछ दिन पहले अरुलमिगु रेणुगंबल अम्मन मंदिर में जाकर अपनी जायदाद के कागजात दान कर दिए। इनमें एक 3 करोड़ और दूसरी 1 करोड़ रुपये की जायदाद शामिल है। मंदिर के अधिकारियों को यह बात तब पता चली, जब उन्होंने मंदिर के दानपात्र की जांच की।

मंदिर के दानपात्र में मिले जायदाद के कागजात- हर दो महीने में मंदिर के दानपात्र खोले जाते हैं, जिसमें भक्तों के चढ़ाए पैसे गिने जाते हैं। इस बार जब दानपात्र को खोला गया, तो उसमें सिक्कों और नोटों के बीच जायदाद के असली कागजात मिले। इनमें 10 सेंट जमीन और मंदिर के पास एक सिंगल-मंजिल मकान के दस्तावेज थे। इसके साथ ही, एक हाथों से लिखा नोट भी मिला। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी एम सिलंबरासन ने द हिंदू को बताया, यहां ऐसा पहली बार हुआ है। उन्होंने साफ किया कि दानपात्र में कागजात डालने से जायदाद मंदिर की नहीं हो जाती।

फिजूल के कामों में ज्यादा बर्बाद होता है वक्त, सरकारी कामकाज को लेकर बोले राजस्थान के सीनियर IAS अजिताभ शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के प्रमुख सचिव (ऊर्जा) अजिताभ शर्मा ने कहा है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी 80 प्रतिशत से ज्यादा ऐसा काम करते हैं जो गैर-जरूरी होता है। मौजूदा सरकारी कामकाज की आलोचना करते हुए राजस्थान कैडर के 1996 बैच के आईएएस अधिकारी अजिताभ शर्मा ने इस बात पर चिंता जताई कि इसमें नियमित और प्रक्रियात्मक कामों पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जाता है, जिससे शासन की मूल जिम्मेदारियों से ध्यान हट जाता है।

उन्होंने लिंक्डइन पर एक लंबी पोस्ट करते हुए लिखा, हमारा 80 प्रतिशत से ज्यादा काम सामान्य सी बैठकों में हिस्सा लेने से संबंधित है, जहां पर अन्य सभी विभाग मौजूद होते हैं। इनमें मानव संसाधनों के मुद्दों को संभालना, मुकदमेबाजी के मामलों में हिस्सा लेना, पारदर्शिता और सूचना के अधिकार कानूनों से निपटना, न्यूज क्लिपिंग का जवाब भेजना, सामान्य पत्राचार का जवाब देना और हर तरह की रिपोर्ट संकलित करना शामिल है। मैं इसे गैर-जरूर काम कहता हूं। अजिताभ शर्मा ने उठाए सवाल

अपने पोस्ट में शर्मा ने प्रशासनिक हलकों में लंबे समय से चली आ रही इस धारणा पर भी सवाल उठाया कि आईएएस के अंतर्गत सभी काम समान रूप से चुनौतीपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा, मैं कभी भी खुद को इस बात पर राजी नहीं कर पाया कि सभी असाइनमेंट एक ही कठिनाई के स्तर के होते हैं। यह नैरेटिव शायद प्रशासनिक सेवाओं की कल्पित सामान्य प्रकृति से पैदा होता है, जिसका हम हिस्सा हैं।

उन्होंने ये भी कहा, हालांकि, सभी विभागों के लिए ये समान्य कार्य भी जरूरी हैं लेकिन वे मुख्य कार्यों के लिए बहुत कम समय देते हैं।

अपने यूरिन से आंखें साफ करती है ये महिला, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो तो भड़के डॉक्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला अपने यूरिन से आंखें साफ करती दिखती है। महिला ने दावा किया कि ऐसा करने से आंखों की खुजली, सूखापन और लालपन खत्म होता है। इस वीडियो के दावों पर डॉक्टरों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि ऐसा करना खतरनाक हो सकता है।

दरअसल, पुणे की मेडिसिन-फ्री लाइफ कोच नुपुर पिट्टी सोशल मीडिया पर स्वास्थ्य संबंधित वीडियो डालती हैं। इसी क्रम में उन्होंने यूरिन आई वॉश- नेचर्स ओन मेडिसिन टाइटल से एक वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जो देखते-देखते ही वायरल हो गया। 24 घंटे में इस वीडियो को 1.5 लाख से ज्यादा लोगों ने कई बार देखा।

वीडियो में महिला ने क्या किया दावा- वायरल हुए वीडियो में नुपुर पिट्टी दावा करती हैं कि वो सुबह के समय का ताजा यूरिन का इस्तेमाल करके अपनी आंखें धोती हैं। इतना ही नहीं वो अपनी आंखें धोकर भी दिखाती हैं। हालांकि वो इसे वैकल्पिक उपाय के रूप में इस्तेमाल करने के लिए कहती हैं लेकिन डॉक्टरों ने इस पर घोर आपत्ति जताई है और लोगों को चेतावनी भी दी है।

टॉयलेट में बैठे-बैठे अदालत की लाइव कॉन्फ्रेंसिंग में जुड़ गया युवक, गुजरात हाईकोर्ट का मामला वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिल्म हो या रियल लाइफ अदालत की कार्यवाही आपने देखी होगी, कई बार वकीलों को अजीबोगरीब दलील देते हुए भी देखा होगा। लेकिन गुजरात हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जो किसी ने सोचा भी नहीं होगा।

दरअसल गुजरात हाईकोर्ट में एक केस की सुनवाई ऑनलाइन हो रही थी। इस लाइव कार्यवाही के दौरान एक शख्स टॉयलेट में शौच करता हुआ दिखा। यह घटना 20 जून को जस्टिस निरजर एस देसाई की बेंच के सामने हुई। बार एंड बेंच के अनुसार, वीडियो में शुरुआत में %समद बैटरी% के नाम से लॉग इन किए गए व्यक्ति का क्लोजअप दिखाया गया है, जिसने अपने गले में ब्लूटूथ इयरफोन पहना हुआ है। इसके बाद उन्हें अपना फोन दूर रखते हुए देखा गया, जिससे पता चलता है कि वह शौचालय पर बैठे हैं। वीडियो में आगे उन्हें खुद को साफ करते और फिर वॉशरूम से बाहर निकलते हुए दिखाया गया है। इसके बाद वह कुछ समय के लिए स्क्रीन से दूर चले जाते हैं और फिर एक कमरे में दिखाई देते हैं।

कौन था टॉयलेट में बैठा शख्स- अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, वह व्यक्ति एक प्राथमिकी (एफआईआर) को रद्द करने की मांग करने वाले मामले में प्रतिवादी के रूप में पेश हो रहा था। वह आपराधिक मामले में शिकायतकर्ता था। अदालती कार्यवाही के दौरान अप्रैल में भी इसी हाईकोर्ट में एक शख्स वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हो रहा था और वह बीच कार्यवाही के दौरान सिगरेट पी रहा था।

एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में भारत नहीं लेगा संयुक्त राष्ट्र की मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में सहयोग करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा जांचकर्ता को शामिल किए जाने की मांग को भारत ने ठुकरा दिया है।

रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत इसकी अनुमति नहीं देगा। कुछ सुरक्षा विशेषज्ञों न ब्लैक बॉक्स डेटा के विश्लेषण में देरी के लिए इसकी आलोचना की थी। बता दें, 12 जून अहमदाबाद में बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर दुर्घटना में 260 लोगों की मौत की घटना के बाद संयुक्त राष्ट्र विमानन एजेंसी ने जांच में सहायता प्रदान करने के लिए भारत को अपने एक जांचकर्ता की पेशकश की थी।

इससे पहले, अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन ने कुछ जांच में मदद करने के लिए जांचकर्ताओं को तैनात किया था, जैसे कि 2014 में मलेशियाई विमान के लापता होने की जांच और फिर 2020 में एक यूक्रेनी जेटलाइनर की जांच। हालांकि, दोनों ही बार एजेंसी से सहायता मांगी गई थी।

रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि ICAO ने भारत में मौजूद जांचकर्ता को पर्यवेक्षक का दर्जा देने के लिए कहा था, लेकिन भारतीय अधिकारियों ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। यह खबर सबसे पहले टाइम्स नाउ ने दी थी।

ब्लैक बॉक्स से डाउनलोड हुआ डेटा- भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। भारत के नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि जांचकर्ताओं ने दुर्घटनाओं के लगभग दो सप्ताह बाद फ्लाइट रिकॉर्डर डेटा डाउनलोड कर लिया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

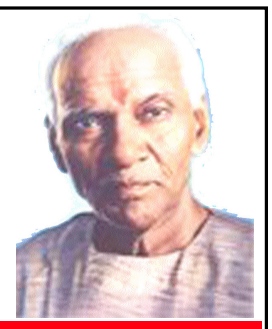

विक्रम संवत 2079 कृष्ण तृतीया

संपादकीय

सारे देश में आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को हर्षोल्लास से रथयात्रा निकाली जाती है

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का महोत्सव पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। सारे देश में आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को हर्षोल्लास से रथयात्रा निकाली जाती है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के नजदीक विदिशा जिले के मानौरा गांव में भी यह रथ यात्रा धूमधाम से निकाली जाती है,लेकिन यहां यह उत्सव इसलिए विशिष्ट और अलग है कि यहां यह आरंभ ही तब होता है जब पुरी में भगवान जगन्नाथ के रथ के पहिए थम जाते हैं। यहाँ लगभग 200 वर्षों से यह परम्परा चल रही है।जब हमारे देश में संचार के साधन सीमित थे और रेडियो, टीवी जैसी चीजों का नामों निशान ही नहीं था,तब भी यही कहा जाता था कि भगवान जगन्नाथ मानौरा आने के लिए पुरी में अपने रथ का पहिया रोक लेते हैं।

मानौरा मध्यप्रदेश के विदिशा जिले का एक सामान्य सा गांव होते हुए भी विशिष्ट है। यहाँ मेहमानों का अभिवादन भी जय जगदीश कह कर किया जाता है। यहां भगवान जगन्नाथ (जिन्हें मानौरा में जगदीश कहते हैं), भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा का दो सौ वर्ष पुराना मंदिर है । पुरी की ही तरह यहां भी आषाढ़ दूज पर रथयात्रा निकाली जाती है। यहां की रथयात्रा सबसे अनोखी इसीलिए मानी जाती है कि यहां यह रथयात्रा प्रारंभ तभी होती है जब पुरी में भगवान जगन्नाथ के रथ के पहिए थमे होते हैं। इस दृश्य को देखने के लिए मानौरा में प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है।

मानौरा में भगवान जगदीश स्वामी का अति प्राचीन मंदिर है।जिसमें भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के श्री विग्रह स्थापित हैं।चंदन की बनी ये प्रतिमाएं स्वयंभू हैं,वे यहां स्वयं प्रगट हुई हैं। जगन्नाथ पुरी की ही तरह यहां भी इन तीनों की पूजा आराधना की जाती है तथा मीठे भात (चावल)का भोग लगाया जाता है। मानौरा के जगदीश मंदिर में प्रतिदिन तो सैकड़ो लोग आते हैं और यहां अपनी अपनी मन्नत मांगते है लेकिन रथयात्रा महोत्सव में यहां लाखों लोग आते हैं और जगदीश जी के दर्शन करते हैं। इस दिन यहां चारों ओर जय जगदीश का ही उद्?घोष सुनायी देता है। इसमें दिलचस्प यह भी है कि जब उड़ीसा में पुरी में रथयात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ के रथ के पहिए कुछ क्षणों के लिए थमते हैं तो वहां के पुजारी बाकायदा घोषणा करते है कि भगवान मानोरा पधार गए हैं।

मानोरावासियों का मानना है कि जब पुरी का रथ थमता है, तो भगवान जगदीश स्वामी स्वयं पुरी से मानौरा आ जा जाते हैं।

भगवान मानौरा क्यों आते है- मानौरा के ग्रामीण और पुराने लोग बताते हैं कि भगवान जगदीश के मानौरा पधारने के पीछे भी एक इतिहास है। वर्षों पूर्व मानौरा के तरफदार मानिकचंद रघुवंशी निसंतान थे उनकी पत्नी देवी पद्?मावती इससे बहुत दुखी रहा करती थीं।इन दोनों पति पत्नी की भगवान जगदीश में घनघोर आस्था थी। दोनों ने पिंड भरते हुए (दंडवत करते हुए यात्रा करने को मानौरा एवं विदिशा जिले में पिंड भरना कहा जाता है।)भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए पुरी जाने का निश्चय किया।मानौरा से दंडवत करते हुए दोनों पति पत्नी जगन्नाथ पुरी चल पड़े। दुर्गम रास्ते और कांटेदार जंगलों में चलते चलते उनका पूरा शरीर लहुलुहान हो गया लेकिन इस दंपत्ति ने हार नहीं मानी और तब भगवान जगन्नाथ ने स्वयं प्रगट होकर इन्हें वापस मानौरा लौटने को कहा ।

अपने भक्त की भक्ति से प्रसन्न होकर हर वर्ष मानौरा में दर्शन देने का भी वचन दिया । तभी मानौरा में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की मूर्तियां भी प्रगट हुई। भक्त मानते हैं कि अपने वचन को निभाने के लिए जगदीश जी मानौरा में प्रगट हुए और हर वर्ष आषाढी दूज को रथयात्रा के दिन अपने भक्तो को दर्शन देने मानौरा पधारते हैं।

रणजीत सिंह

रणजीत सिंह सिक्ख साम्राज्य के सर्वाधिक प्रसिद्ध राजा थे। वे शेर-ए पंजाब के नाम से प्रसिद्ध हैं। महाराजा रणजीत सिंह ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने न केवल पंजाब को एक सशक्त सूबे के रूप में एकजुट रखा, बल्कि अपने जीवित रहते हुए अंग्रेज़ों को अपने साम्राज्य के पास भी नहीं फटकने दिया।

12 अप्रैल, सन 1801 को रणजीत सिंह ने महाराजा की उपाधि ग्रहण की थी। गुरु नानक के एक वंशज ने उनकी ताजपोशी संपन्न कराई थी। उन्होंने लाहौर को अपनी राजधानी बनाया और 1802 में अमृतसर की ओर रुख़किया। ब्रिटिश इतिहासकार जे. टी. व्हीलर के अनुसार अगर वह एक पीढ़ी पुराने होते, तो पूरे हिंदूस्तान को ही फ़तेह कर लेते। महाराजा रणजीत सिंह पढ़े-लिखे नहीं थे, लेकिन उन्होंने अपने राज्य में शिक्षा और कला को बहुत प्रोत्साहन दिया। उन्होंने पंजाब में क़ानून एवं व्यवस्था कायम की और कभी भी किसी को सज़ा-ए-मौत नहीं दी।

परिचय- महाराजा रणजीत सिंह का जन्म 13 नवम्बर, सन 1780 को बदरूख़ाँ या गुजरांवाला, भारत में हुआ था। वे पंजाब के सिक्ख राज्य के संस्थापक और महाराज (1801-1839 ई.) थे। रणजीत सिंह सिक्खों की बारह मिसलों में से एक सुकर चाकिया से सम्बन्धित थे। उन्होंने 1797 ई. में रावी नदी एवं चिनाब नदी के प्रदेशों के प्रशासन का कार्यभार संभाला था। उनके पिता महासिंह सुकर चाकिया मिसल के मुखिया थे। जिस समय रणजीत सिंह की आयु केवल 12 वर्ष थी, उसी समय उनके पिता का देहान्त हो गया और बाल्यावस्था में ही वह सिक्ख मिसलों के एक छोटे से समूह के सरदार बना दिये गए। 15 वर्ष की आयु में कन्हया मिसल के सरदार की बेटी से उनका विवाह हुआ और कई वर्ष तक उनके क्रिया-कलाप उनकी महत्त्वाकांक्षी विधवा सास सदाकौर द्वारा ही निर्देशित होते रहे। नक्कइयों की बेटी के साथ दूसरे विवाह ने रणजीत सिंह को सिक्ख रजवाड़ों (सामन्तों) के बीच महत्त्वपूर्ण बना दिया। ज़िन्दाँ रानी रणजीत सिंह की पाँचवी रानी तथा उनके सबसे छोटे बेटे दलीप सिंह की माँ थीं।

शासन नीति- आरम्भ में उनका शासन केवल एक छोटे-से भूखण्ड पर था और सैन्य बल भी सीमित था। 1793 ई. से 1798 ई. के बीच अफ़ग़ान शासक जमानशाह के निरन्तर आक्रमणों के फलस्वरूप पंजाब में इतनी अराजकता फैल गई कि उन्नीस वर्षीय रणजीत सिंह ने 1799 ई. के जुलाई मास में लाहौर पर अधिकार कर लिया और जमानशाह ने परिस्थितिवश उनको वहाँ का उपशासक स्वीकार करते हुए राजा की उपाधि प्रदान की। 1798 - 1799 ई. में अफ़ग़ानिस्तान के शासक जमानशाह ने पंजाब पर आक्रमण किया। वापस जाते हुए उसकी कुछ तोपें चिनाब नदी में गिर गयीं। रणजीत सिंह ने उन्हें निकलवा कर उसके पास भिजवा दिया। इस सेवा के बदले जमानशाह ने रणजीत सिंह को लाहौर का शासक नियुक्त किया तथा राजा की उपाधि प्रदान की। रणजीत सिंह ने कुछ सिक्ख मिसलों से वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित कर अपने प्रभाव को बढ़ाने का प्रयत्न किया। 1805 ई. में उन्होंने अमृतसर एवं जम्मू पर अधिकार कर लिया। अब पंजाब की राजनीतिक राजधानी (लाहौर) तथा धार्मिक राजधानी (अमृतसर), दोनों ही उनके अधीन आ गयी थीं। इस समय तक फ्राँस का नेपोलियन अपने चरमोत्कर्ष पर था, अतः उसका प्रभाव भारत पर न पड़े, इसके लिए तत्कालीन गवर्नर-जनरल लॉर्ड मिंटों ने पंजाब, ईरान व अफ़ग़ानिस्तान में अपने दूत भेजे। 25 अप्रैल, 1809 को चार्ल्स मैटकॉफ़ और महाराजा रणजीत सिंह के मध्य अमृतसर की सन्धि सम्पन्न हुई। सन्धि की शर्तों के अनुसार सतलुज नदी के पूर्वी तट के क्षेत्र अंग्रेज़ों के अधिकार में आ गये। चूंकि नेपोलियन की सत्ता कमज़ोर पड़ गयी थी, और ईरान के इंग्लैण्ड से सम्बन्ध सुधर गये थे। इसलिए इन स्थितियों में रणजीत सिंह के लिए अमृतसर की सन्धि आवश्यक हो गयी थी।

1804 ई. में कांगड़ा के सरदार संसार चन्द कटोच को हराकर रणजीत सिंह ने होशियारपुर पर अधिकार कर लिया। संसार चन्द कटोच के कहलूड़ के राजा पर आक्रमण करने पर जब कहलूड़ के राजा ने नेपाल के गोरखा से सहायता मांगी और अमर सिंह थापा के नेतृत्व में गोरखों ने कांगड़ा का क़िला घेर लिया, तो रणजीत सिंह ने संसार चन्द कटोच की सहायता इसी शर्त पर की, कि वह उन्हें कांगड़ा का दुर्ग दे देगा। दीवान मोहकम चन्द के अधीन एक सिक्ख सेना ने गोरखों को परास्त कर दिया। इस प्रकार कांगड़ा पर सिक्खों का अधिकार हो गया और संसार चन्द उसकी सुरक्षा में आ गया। 1800 ई. के पश्चात् अफ़ग़ानिस्तान की राजनीतिक शक्ति का पतन हो गया और 1809 ई. में शाहशुजा को काबुल से भागना पड़ा। शाहशुजा ने काबुल का राज्य प्राप्त करने के लिए रणजीत सिंह से सहायता मांगी और उन्हें कोहिनूर हीरा भेंट करने का वचन किया। रणजीत सिंह ने सिन्ध के पश्चिमी तट के क्षेत्र अपने राज्य में विलय की शर्त पर सहायता का वचन दिया तथा 1837 ई. में पेशावर जीत लिया। इसके पूर्व वह 1818 ई. में मुल्तान एवं 1819 ई. में कश्मीर पर अधिकार कर चुके थे।

दूरदर्शी व्यक्ति- 1805 ई. में जब लॉर्ड लेक यशवन्तराव होल्कर का पीछा कर रहा था, होल्कर भागकर पंजाब में घुस गया। किन्तु रणजीत सिंह ने इस ख़तरे का निवारण बड़ी दूरदर्शिता और राजनीतिज्ञता से किया। उन्होंने अंग्रेज़ों के साथ सन्धि कर ली, जिसके अनुसार पंजाब होल्कर के प्रभाव क्षेत्र से मुक्त माना गया और अंग्रेज़ों ने सतलुज नदी के उत्तर पंजाब के समस्त भू-भाग पर रणजीत सिंह की प्रभुसत्ता स्वीकार कर ली।

राज्य विस्तार- उन दिनों सतलुज के इस पार की छोटी-छोटी सिक्ख रियासतों में परस्पर झगड़े होते रहते थे और उनमें से कुछ ने रणजीत सिंह से सहायता की याचना भी की। रणजीत सिंह भी इन समस्त सिक्ख रियासतों को अपने नेतृत्व में संघबद्ध करना चाहते थे। इस कारण से उन्होंने इन क्षेत्रों में कई सैनिक अभियान किये और 1807 ई. में लुधियाना पर अधिकार कर लिया। उनका इस रीति से सतलुज के इस पार की कुछ छोटी-छोटी रियासतों पर सत्ताविस्तार अंग्रेज़ों को रुचिकर न हुआ।

अंग्रेज़ों से सन्धि- उस समय अंग्रेज़ों का राज्य विस्तार दिल्ली तक हो चुका था। उन्होंने चार्ल्स मेटकॉफ़ के नेतृत्व में एक दूतमण्डल और उसके पीछे-पीछे डेविड आक्टरलोनी के नेतृत्व में अंग्रेज़ी सेना रणजीत सिंह के राज्य में भेजी। इस बार भी रणजीत सिंह ने राजनीतिक सूझ-बूझ का परिचय दिया और अंग्रेज़ों से 1809 ई. में चिरस्थायी मैत्री सन्धि कर ली, जो अमृतसर की सन्धि के नाम से विख्यात है। इसके अनुसार उन्होंने लुधियाना पर से अधिकार हटा लिया और अपने राज्यक्षेत्र को सतलुज नदी के उत्तर और पश्चिम तक ही सीमित रखना स्वीकार किया। साथ ही उन्होंने सतलुज को दक्षिणवर्ती रियासतों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करने का वचन दिया। परिणामस्वरूप ये सभी रियासतें अंग्रेज़ों के संरक्षण में आ गईं।

प्रशासन- रणजीत सिंह का प्रशासन भी महत्त्वपूर्ण रहा। वह निरंकुश होते हुए भी खालसा के नाम पर शासन करते थे। उनकी सरकार को सरकार खालसा कहा जाता था। उन्होंने गुरु नानक और गुरु गोविन्द सिंह के नाम के सिक्के चलाये, किन्तु उन्होंने गुरुमत को प्रोत्साहन नहीं दिया। उन्होंने डोगरों एवं मुसलमानों को उच्च पद प्रदान किये। फ़कीर अजीजुद्दीन उनका विदेशमंत्री तथा दीवान दीनानाथ उनका वितमंत्री था।

राजस्व के स्रोत- रणजीत सिंह के राजस्व का प्रमुख स्रोत भू-राजस्व था, जिसमें नवीन प्रणालियों का समावेश होता रहता था। महाराजा रणजीत सिंह ने नीलामी के आधार पर सबसे ऊँची बोली बोलने वाले को भू-राजस्व वसूली का अधिकार प्रदान किया। राज्य की ओर से लगान उपज का 2/5 से 1/3 भाग लिया जाता था। रणजीत सिंह का राज्य 4 सूबों में बंटा था - पेशावर, कश्मीर, मुल्तान, और लाहौर । न्याय प्रशासन के क्षेत्र में राजधानी में अदालत-ए-आला (आधुनिक उच्च न्यायालय के समान) खोला गया था, जहाँ उच्च अधिकारियों द्वारा विवादों का निपटारा किया जाता था।

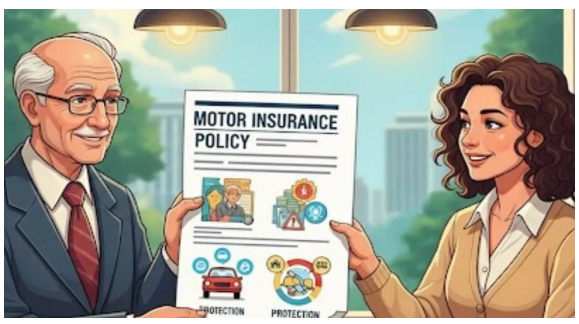

मोटर इंश्योरेंस पड़ रहा है महंगा? एक्सपर्ट्स से जानें कैसे कर सकते हैं प्रीमियम पर 40% की बचत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी और अपनी कार की सुरक्षा सुनिश्चित करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप इंश्योरेंस खरीदते समय उसके प्रीमियम पर विचार न करें, मोटर इंश्योरेंस खरीदते समय यह ध्यान देना आवश्यक है कि हम जो प्रीमियम भर रहे है, वह असल में सही है या नहीं।

वास्तव में, कुछ सोच-समझकर लिए गए निर्णयों से आप अपने प्रीमियम को 40% तक कम कर सकते हैं। सही ऐड-ऑन चुनने से लेकर डिडक्टिबल्स को ऑप्टिमाइज़ करने और ऐसे डिस्काउंट जिनके बारे में लोगों को अधिक जानकारी नहीं है उनका लाभ उठाने जैसे छोटे-छोटे बदलाव आपको बड़ी बचत की ओर ले जा सकते हैं। पॉलिसी बाजार डॉट कॉम के मोटर इंश्योरेंस हेड पारस पसरिचा बता रहे हैं कि कैसे आप अपने मोटर इंश्योरेंस के प्रीमियम को कम कर सकते है -

अपने इंश्योर्ड डिक्लेयर्ड वेल्यु (आईडीवी) की समीक्षा करें- आईडीवी को आम तौर पर कार के बाजार मूल्य का प्रतिनिधि माना जाता है। लेकिन, यह कार का वास्तविक बाजार मूल्य नहीं है। हालांकि, यह सिर्फ तब काम आता है जब कार को पूरी तरह नुकसान हो जाए। कुल प्रीमियम का कार के आईडीवी से सीधा संबंध होता है और आईडीवी को सही तरीके से अनुकूलित करने से कुल बचत पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

उच्च IDV का मतलब है कुल नुकसान के मामले में अधिक भुगतान, लेकिन इसके लिए आपको अधिक प्रीमियम का भुगतान भी करना होगा। इसलिए आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपका IDV बढ़ा हुआ न हो। कई बीमाकर्ता आपको अपना IDV खुद तय करने का विकल्प देते हैं। ऐसे में आपको इसे एक असली और सही कीमत पर सेट करना चाहिए, जैसे कि आपकी कार का मौजूदा विक्रय मूल्य, न कि वह कीमत जिस पर आपने सालों पहले कार खरीदी थी। इससे आपका प्रीमियम काफी कम हो सकता है।

सबसे बड़े स्टील टाइकून, ऑटो-एनर्जी में भी दखल, अब 9400 करोड़ की डील कर दे दी बिड़ला को टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ऐसा नाम जिसे स्टील बिजनेस का टाइकून कहा जाता है। इस नाम ने स्टील बिजनेस से इतर भी अपनी एक अलग पहचान बना ली है। ये कोई साधारण नाम नहीं है। मात्र कुछ ही सालों में एनर्जी, ऑटोमोबाइल, स्पोर्ट्स से लेकर पेंट्स तक में इस नाम की तूती बोलने लगी है। ये नाम JSW ग्रुप का मालिक है। जिंदल ग्रुप की शुरुआत सज्जन जिंदल के पिता ओम प्रकाश जिंदल ने की थी। उन्होंने दो शादियां की थी। पहली पत्नी विद्या देवी जिंदल से दो बेटे पृथ्वीराज जिंदल और सज्जन जिंदल हुए। दूसरी पत्नी सावित्री जिंदल से भी दो बेटे रतन जिंदल और नवीन जिंदल हुए।

चारों बेटों में बंटवारा हुआ। सभी अलग-अलग कंपनियों को संभालने लगे। सज्जन जिंदल के हाथों JSW की कमान मिली। शुरु में ये कंपनी स्टील बनाने के लिए जानी जाती थी। लेकिन आगे चलकर इस कंपनी ने अपने बिजनेस को अलग-अलग क्षेत्रों में डाइवर्सिफाई कर दिया। आज यानी 27 जून को JSW ग्रुप ने ऐसी डील की पेंट सेक्टर में खलबली मच गई। पेंट इंडस्ट्री की नंबर दो कंपनी बिरला ओपस पेंट्स को सीधे टक्कर मिलेगी।

JSW ग्रुप की कंपनी जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने 9400 करोड़ की डील करके पेंट्स सेक्टर में खलबली मची दी है।

ये जापानी कंपनी भारत में बंद करेगी फ्रिज और वाशिंग मशीन का कारोबार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान की बड़ी कंपनी भारत में अपने दो बड़े प्रोडक्ट वाशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर का कारोबार बंद करने की प्लानिंग कर रही है। इस वित्त वर्ष 2025-26 के तहत कंपनी इसे पूरी तरह से लागू कर देगी। पहले जानते हैं कि इसकी क्या वजह रही?

क्या है कारोबार बंद करने की वजह- दरअसल जापान की दिग्गज कंपनी पैनासोनिक ने वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक रेफ्रिजरेटर और वाशिंग मशीन का कारोबार बंद करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने ये निर्णय ब्रिकी में अपने नुकसान के चलते लिया है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो कंपनी को पिछले 6 साल से वाशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर के सेल में नुकसान हो रहा है। वहीं पिछले कई सालों से कंपनी का मार्केट शेयर काफी कम है। कंपनी के प्रवक्ता का कहना है कि कंपनी बदलते मार्केट डिमांड को अपनाना चाहता है। पैनासोनिक भारत में फ्यूचर रेडी ग्रोथ सेगमेंट पर फोकस करेगा। इनमें Home Automation, HVAC (Heating Ventilation and cooling), BwB Solution और Energy Solution पर काम करेगा।

क्या आप करा पाएंगे सर्विस- मई में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कंपनी के सीईओ Yuki Kusumi ने बताया कि कंपनी चाहे जिन भी प्रोडक्ट को बंद कर दें। वे उसकी कस्टमर सर्विस देती रहेगी। इसका मतलब है कि उपभोक्ताओं को कस्टमर सर्विस लेने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी।

इसके अनुसार आप अभी भी पैनासोनिक कंपनी के रेफ्रिजरेटर और वाशिंग मशीन की सर्विस अपने घर के पास स्थित सर्विस सेंटर पर जाकर करा सकते हैं। आपको इसमें किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी।

7 रुपये से 3333 आया इस दवा कंपनी के शेयर का भाव, ब्रोकरेज हाउस ने दिया एक और बड़ा टारगेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस जेपी मॉर्गन ने एक दवा कंपनी के शेयर पर बड़ा टारगेट प्राइस दिया है। इसके बाद टोरेंट फार्मा के शेयरों में 4 फीसदी की तेजी आ गई। ब्रोकरेज फर्म ने इस भारतीय फार्मा कंपनी के शेयर पर ओवरवेट रेटिंग दी है।

रिटर्न के लिहाज इस दवा कंपनी के शेयरों ने साल दर साल बेहतर रिटर्न डिलीवर किया है। हालांकि, इस साल अब तक नेगेटिव रिटर्न देखने को मिला है। वहीं, लंबी अवधि में 46000त से ज्यादा रिटर्न डिलीवर कर चुका है। साल 2001 में टोरेंट फार्मा के शेयर की कीमत महज 7 रुपये थी।

टोरेंट फार्मा शेयर पर नया टारगेट प्राइस-जेपी मॉर्गन ने टोरेंट फार्मा के शेयरों पर ओवरवेट रेटिंग देते हुए 3,800 रुपये प्रति शेयर का टारगेट प्राइस दिया है। फिलहाल, इस शेयर का प्राइस 3305 रुपये है। ब्रोकरेज फर्म का यह टारगेट प्राइस मौजूदा स्तर से 15 फीसदी से ज्यादा की बढ़त को दिखाता है। इससे पहले जेपी मॉर्गन ने इस काउंटर पर 3,650 रुपये का टारगेट प्राइस दिया था।

ब्रोकरेज ने कमेंट्री में क्या कहा- ब्रोकरेज फर्म जेपी मॉर्गन को उम्मीद है कि टोरेंट फार्मा के भारतीय कारोबार की ग्रोथ अच्छी रहने वाली है, खासकर कंपनी के मुख्य सेगमेंट में लगातार तेजी देखने को मिलेगी।

रेजोन सोलर का आ रहा IPO, 1500 करोड़ रुपये का होगा इश्यू; जानें क्या-क्या जानकारी आई सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात स्थित सोलर सेल निर्माता कंपनी रेजोन सोलर 1,500 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने जा रही है। कंपनी ने नए इश्यू के जरिए 1,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया है। कंपनी के प्रमोटर ऑफर फॉर सेल (ह्रस्नस्) के जरिए कोई हिस्सेदारी नहीं बेच रहे हैं। कंपनी प्री-आईपीओ प्लेसमेंट में 300 करोड़ रुपये जुटाने पर भी विचार कर रही है। कंपनी ने कहा कि यदि प्री-आईपीओ प्लेसमेंट योजना सफल होती है, तो आईपीओ में नए इश्यू का आकार कम हो जाएगा।

रेजोन सोलर का पीवी मॉड्यूल बनाने का काम करती है। कंपनी ने 2017 में अपना मैन्युफैक्चरिंग का काम शुरू किया था। मार्च 2025 में इसकी स्थापित क्षमता 6 गीगावॉट तक पहुंच चुकी है। कंपनी के पास गुजरात के करंज और सावा में 2 विनिर्माण सुविधाएँ हैं। इसके अलावा, कंपनी का कहना है कि सावा में इसकी तीसरी विनिर्माण सुविधा अक्टूबर 2025 से चालू हो जाएगी।रेजेन सोलर ने कहा कि वह आरंभिक सार्वजनिक पेशकश से प्राप्त राशि का उपयोग 3.5 गीगावाट विनिर्माण सुविधा के आंशिक वित्तपोषण के लिए करेगी, जिसे कंपनी अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रेजेन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से स्थापित करने की योजना बना रही है।

रेजोन सोलर भारत में शीर्ष दस सौर पीवी मॉड्यूल निर्माताओं में से एक होने का दावा करता है। डीआरएचपी दस्तावेजों के अनुसार, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में परिचालन से 1272.85 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया । वित्त वर्ष 22 में, कंपनी ने 261.65 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया। रेजोन सोलर ने वित्त वर्ष 2024 में 101.41 करोड़ रुपये का एबिटा दर्ज किया।

जियो ब्लैकरॉक को SEBI से ब्रोकिंग बिजनेस की मंजूरी, शेयर में दिखा गजब का उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुकेश अंबानी के रिलायंस ग्रुप की जियो फाइनेंशियल से जुड़ा नया अपडेट सामने आया है। दरअसर अमेरिकी निवेश दिग्गज ब्लैकरॉक की संयुक्त साझेदारी जियो ब्लैकरॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड को SEBI से ब्रोकिंग कारोबार शुरू करने की अंतिम मंजूरी मिल गई है। इस खबर के बाद शुक्रवार को Jio Financial Services के शेयरों में 4% की तेजी देखी गई और यह BSE पर 327.75 पर ट्रेड कर रहा था।

जियो ब्लैकरॉक अब भारत में एसेट मैनेजमेंट, इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी और ब्रोकरेज तीनों सेवाएं देने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह जॉइंट वेंचर JFSL और BlackRock के बीच 50-50 हिस्सेदारी पर आधारित है।

निवेशकों को क्या मिलेगा- Jio BlackRock Broking अब भारतीय निवेशकों के लिए एक डिजिटल, सस्ते और ट्रांसपेरेंट ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म लाने की तैयारी में है, जहां सेल्फ-डायरेक्टेड ट्रेडिंग होगी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

संपत्ति विवाद में पिता ने बेटे पर दाग दी गोली

जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र के कचनारी गांव में पारिवारिक विवाद ने खूनी मोड़ ले लिया जब एक पिता ने अपने ही बेटे पर गोली चला दी। यह घटना बुधवार और गुरुवार की दरम्यानी रात की है, जब संपत्ति विवाद को लेकर हेमचंद पटेल ने अपने बेटे आकाश पटेल (26) को गोली मारने का प्रयास किया।

गनीमत यह रही कि गोली सीधे न लगकर आकाश के हाथ में जा लगी और उसकी जान बच गई। हमले के पीछे उसकी सौतेली मां वंदना पटेल का उकसावा बताया जा रहा है, जिसने पिस्टल लाकर पति को दी और कहा ङ्क ÷देख क्या रहे हो, इसे मार डालो। हक मांगेगा, परेशान करेगा। संपत्ति का विवाद बना खून की वजह

जानकारी के अनुसार, हेमचंद ने दो शादियां की हैं। आकाश उसकी पहली पत्नी से जन्मा बेटा है। वर्ष 2008 में पहली पत्नी से अलग होने के बाद से आकाश अपनी मां के साथ शिवधाम नगर में रहता है, जबकि हेमचंद ने 2012 में वंदना पटेल से दूसरा विवाह किया और कचनारी में रहने लगा।

बीते 13 वर्षों से संपत्ति को लेकर पिता-पुत्र के बीच विवाद चल रहा है, जो अब न्यायालय में लंबित है। हेमचंद बेटे पर केस वापस लेने का दबाव बना रहा था। इसी सिलसिले में उसने आकाश को बुधवार रात फोन करके घर बुलाया।

पहले कहासुनी, फिर फायरिंग- जब आकाश घर पहुंचा, तो हेमचंद ने उससे केस खत्म करने को कहा, जिस पर दोनों के बीच तीखी बहस हो गई। तभी वंदना ने अंदर से पिस्टल लाकर दी और उकसाने लगी। क्रोधित होकर हेमचंद ने पिस्टल से बेटे पर गोली चला दी।

गोली आकाश के हाथ में लगी, लेकिन वह किसी तरह जान बचाकर भागा और सीधा माढ़ोताल थाने पहुंचा। पुलिस ने उसे तुरंत विक्टोरिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसका बयान दर्ज किया गया।

हत्या के प्रयास का मामला दर्ज, आरोपी फरार- पुलिस ने हेमचंद पटेल और वंदना पटेल के खिलाफ धारा 307 (हत्या के प्रयास) के तहत केस दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है।

घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पड़ोसी और स्थानीय लोग स्तब्ध हैं कि एक पिता अपनी ही संतान का खून करने पर उतारू हो गया।

जानकी बाई-अर्पित ने जूडो में रचा इतिहास

जबलपुर। जब हौसले बुलंद हों तो कोई भी कमी रास्ता नहीं रोक सकती। दृष्टिबाधित खिलाड़ी जानकी बाई और अर्पित काछी ने यह बात अपने जीवन से साबित कर दी है। दोनों ने न सिर्फ राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीते, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का परचम भी लहराया। सिहोरा की जानकी बनीं भारत की शान

जानकी बाई, जबलपुर के सिहोरा क्षेत्र से ताल्लुक रखती हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाली जानकी की दुनिया आंखों से नहीं, लेकिन अपने हौसले और संघर्ष से रोशन हुई। 20 साल की उम्र तक वह अगरबत्ती बनाकर परिवार का सहारा बनीं। लेकिन मन में कुछ बड़ा करने की इच्छा थी।

जब वे जूडो प्रशिक्षण के लिए जबलपुर आईं और पहला पदक जीता, तब उनके जीवन की दिशा ही बदल गई। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। पहले राज्य, फिर राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार मध्यप्रदेश के लिए पदक जीतती रहीं।

उनकी मेहनत और प्रदर्शन ने उन्हें राष्ट्रीय टीम में स्थान दिलाया। उज़्बेकिस्तान, कज़ाख़स्तान और दो अन्य देशों में आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए उन्होंने भारत के लिए चार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

अर्पित काछी ने भी किया चयन को सार्थक- जानकी की तरह ही, दृष्टिबाधित अर्पित काछी भी जूडो की दुनिया में एक चमकता हुआ सितारा हैं। उनके कोच आबिद हुसैन ने उन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया। अर्पित ने भी चार बार राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व किया और हर बार पदक जीतकर साबित किया कि उनका चयन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उनकी योग्यता का प्रमाण है। अर्पित को प्रदेश सरकार ने अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया है। आज वह प्रदेश के श्रेष्ठ दृष्टिबाधित जूडो खिलाड़ियों में गिने जाते हैं।

नरसिंहपुर में दिनदहाड़े छात्रा पर हमला

नरसिंहपुर। जिला अस्पताल नरसिंहपुर में शुक्रवार दोपहर एक युवक ने इमरजेंसी वार्ड के बाहर एक छात्रा पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। यह सनसनीखेज वारदात दोपहर करीब 3 बजे हुई, जब एमएलबी स्कूल में कक्षा 12वीं में पढ़ने वाली छात्रा संध्या चौधरी, पिता हीरालाल चौधरी किसी काम से अस्पताल आई थी। आरोपित की पहचान और गिरफ्तारी को लेकर पुलिस जांच में जुट गई है।

हमले में छात्रा गंभीर रूप से घायल- प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि काले रंग की शर्ट पहने एक युवक ने अस्पताल के अंदर इमरजेंसी वार्ड के 22 नंबर रुम के सामने छात्रा पर अचानक हमला कर दिया। हमले में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के अस्पताल स्टाफ दहशत में आ गया वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई और अस्पताल में कौतूहल जैसा माहौल बन गया।

पुलिस मामले की जांच में जुटी- सूचना मिलते ही एसडीएम, थाना कोतवाली प्रभारी गौरव चाटे और अन्य पुलिस अधिकारी तुरंत अस्पताल पहुंचे और हालात का जायजा लिया। आरोपित की पहचान और गिरफ्तारी को लेकर पुलिस जांच में जुट गई है, वहीं घायल छात्रा को तत्काल उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस घटना के पीछे के कारणों की जांच कर रही है और अस्पताल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सिविल सर्जन भी सवाल उठने लगे हैं।

भोपाल जिला उपभोक्ता आयोग का आदेश - कहा, पांच साल बाद मरम्मत भी हो गई तो उसकी कोई कीमत नहीं

भोपाल। वारंटी अवधि में उपभोक्ता को खराब होम थिएटर बदलकर नहीं मिला। पांच साल की सुनवाई के बाद भी दुकानदार होम थिएटर की मरम्मत कर देने की बात कर रहा था। उपभोक्ता आयोग ने कहा कि पांच साल बाद उस होमथिएटर की मरम्मत भी हो गई तो उसकी कोई कीमत नहीं बची। ऐसे में उपभोक्ता अपनी पूरी रकम पाने का हकदार है। उन्होंने सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से 50 हजार रुपया और 15 हजार का हर्जाना देने का आदेश दिया है।

यह है पूरा मामला- बताया गया कि बैरागढ़ निवासी अभिषेक शुक्ला ने 2020 में न्यू मार्केट स्थित मंगलम, प्रोम्पट सर्विस से सोनी कंपनी का एक होम थिएटर 50 हजार रुपये में खरीदा था।

आठ माह बाद होम थियेटर खराब हो गया। शिकायत पर दुकानदार ने होम थियेटर को सुधार कर नहीं दिया,ना ही इसके बदले नया होम थियेटर या उसकी राशि दी। जिला आयोग में दुकान संचालक ने तर्क रखा कि वारंटी अवधि में सिस्टम खराब हुआ है तो उसे सुधारकर दिया गया, लेकिन उपभोक्ता लेने नहीं आया और नए सिस्टम की मांग कर रहे थे। उपभोक्ता का कहना था।

प्लेटफॉर्म टिकट से ट्रेन में सफर कर रहे यात्री, कहीं रेलवे में कोई घपला तो नहीं चल रहा

जबलपुर। विंध्याचल एक्सप्रेस में जांच के दौरान फ्लाइंग स्क्वाड ने तीन यात्री को प्लेटफॉर्म टिकट पर यात्रा करते पकड़ा। यात्री की प्लेटफॉर्म टिकट पर हाथ से यात्रा टिकट का विवरण दर्ज किया गया था।

यात्री से पूछने पर उसने नरसिंहपुर स्टेशन से टिकट क्रय करना बताया। जहां, टिकट खिड़की पर बैठे कर्मी को नरसिंहपुर से सोहागपुर का यात्रा शुल्क देना बताया। उसके एवज में यह टिकट मिलना बताया है। इससे बुकिंग क्लर्क पर टिकट में गड़बड़ी करने के संदेह की सुई घूम गई है। प्लेटफॉर्म टिकट पर हाथ ले लिखा था कहां से कहां जाना है।

गुरुवार को नरसिंहपुर-इटारसी रेलखंड पर विंध्याचल एक्सप्रेस में अचानक यात्रियों का टिकट परीक्षण किया गया। इस दौरान जांच दल को तीन यात्री एक टिकट पर यात्रा करते हुए मिले।

उस टिकट पर हाथ से यात्रा के आगमन और गंतव्य स्टेशन का कोड, तिथि, यात्री के व्यस्क होने की जानकारी के साथ एक हस्ताक्षर था। परीक्षण करने पर यह प्लेटफार्म टिकट होना पाया गया। इसका मूल्य 10 रुपये है।

गड़बड़ी का संदेह होने पर जांच दल ने यात्री से पूछताछ की। उसने बताया कि नरसिंहपुर में टिकट खिड़की में बैठे कर्मचारी ने उससे 165 रुपये लिए थे। बदले में यह टिकट दिया था।

इससे आशंका व्यक्त की जा रही है कि बुकिंग क्लर्क ने धोखाधड़ी करते हुए यात्री से किराये की प्राप्त राशि 155 रुपये हड़प गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोकतंत्र सेनानी के रूप में मंत्री श्री सिलावट का ताम्रपत्र से किया सम्मान

मुख्यमंत्री निवास पर हुआ लोकतंत्र सेनानियों का प्रादेशिक सम्मेलन

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज भोपाल में आयोजित लोकतंत्र सेनानियों के प्रादेशिक सम्मेलन में प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट का लोकतंत्र सेनानी के रूप में ताम्रपत्र देकर सम्मान किया। कार्यक्रम में कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गेहलोत, हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सोलंकी, हिंदी ग्रंथ अकादमी के अध्यक्ष श्री अशोक कड़ेल भी ताम्रपत्र से सम्मानित हुये।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकतंत्र भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न अंग है। यह केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली की आत्मा और पहचान है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र भारतीय जनमानस में पुराकाल से रचा-बसा है और इसकी जड़ें हमारी परंपराओं में गहराई तक फैली हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास में लोकतंत्र सेनानियों के प्रादेशिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लोकतंत्र की मजबूती में लोकतंत्र सेनानियों के अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए कहा कि हमारा वर्तमान लोकतंत्र उनके अनथक संघर्ष और बलिदान का ही परिणाम है। आज हम एक मजबूत और जवाबदेह लोकतांत्रिक व्यवस्था में जीवन व्यतीत कर रहे हैं, इसके मूल में लोकतंत्र सेनानी ही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र शासन को जवाबदेह बनाता है, नागरिकों को अधिकार देता है और प्रत्येक व्यक्ति को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है। लोकतांत्रिक प्रणाली ही हमारी विविधता में एकता को बनाए रखने का आधार है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी का आह्वान किया कि लोकतंत्र की इस विरासत को आगे बढ़ाना हम सबका नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। दुनिया हमारी ओर हैरत से देखती है कि यहां लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी हैं। भारत देश सच्चे अर्थों में लोकतंत्र का जनक है। उन्होंने कहा कि हम सब लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वाली विरोधी ताकतों से मिलकर लड़ेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों के हित में घोषणा करते हुए कहा कि अब 70 साल से अधिक आयु के सभी लोकतंत्र सेनानियों को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निःशुल्क इलाज और आवश्यकता पड़ने पर पीएम एयर एम्बुलेंस की सुविधा भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मनाने का फैसला किया है। प्रदेशवासियों के जीवन में उजाला लाने के लिए सरकार नित नई योजनाएं लेकर आ रही हैं।

सोलर पेनल स्टालर इलेक्ट्रीक पर आधारित क्षमता संवर्धन रहवासी प्रशिक्षण इन्दौर हेतु आवेदन आमंत्रित

इंदौर। सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत शासन (स्वस्थ्य) द्वारा प्रायोजित अनुसूचित जाति एवं जनजाति हब योजनान्तर्गत उद्यमिता विकास केन्द्र मध्यप्रदेश (सेडमैप) द्वारा इन्दौर में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं के लिए 56 दिवसीय रहवासी सोलर पेनल स्टालर इलेक्ट्रीकल क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। पूर्णतया निःशुल्क यह कार्यक्रम सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत शासन द्वारा प्रायोजित किया गया है। कार्यकम का उद्देश्य अ.जा./अ.ज.जा वर्ग के युवक एवं युवतियों को सोलर पेनल स्टालर इलेक्ट्रीकल में पूर्णतः प्रशिक्षित कर स्वरोजगार इकाई स्थापना हेतु प्रेरित करना व इस हेतु आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

जिला समन्वयक सेडमैप श्री विजय चौरे ने बताया कि प्रशिक्षण में सौर उर्जा आधारित उद्योग एवं व्यवसाय में स्वरोजगार एवं रोजगार की विपुल संभावनाएं है। सौर उर्जा के क्षेत्र में भारत का नाम अग्रणी देशों में है। इसी कारण इस क्षेत्र में औद्योगिक एवं व्यवसायिक इकाईयों के लिए भी संभावनाएं पनन रही है एवं रोजगार, स्वरोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। इसी को दृष्टिगत रखते हुए सेडमैप द्वारा क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है, जिसमें सोलर पेनल स्टालेशन इलेक्ट्रीकल प्रशिक्षण के साथ-साथ वर्तमान बाजार की आवश्यकताओं व भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए सही उद्योग /व्यवसाय की चयन के साथ-साथ इकाई स्थापना प्रकिया, शासन द्वारा संचालित योजनाएं व सुविधाएं मार्केटिंग, इकाई प्रबंधन, ऋण प्रकरण निर्माण आदि क्षेत्रों में गहन मार्गदर्शन व सहयोग दिया जाएगा।

प्रदेश में हमारे शिक्षक प्रणाली का ट्रायल क्रियान्वयन 30 जून तक

इंदौर। स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षा से जुड़ी विभिन्न प्रकार की शासकीय प्रक्रियाओं के पारदर्शी रूप से संचालन के लिये एजुकेशन पोर्टल 3.0 का विकास किया है। इस पोर्टल पर शिक्षकों की सुविधा के लिये हमारे शिक्षक ई-गवर्नेंस प्लेटफार्म विकसित किया गया है। अब शिक्षा विभाग से जुड़े सभी लोकसेवकों का सर्विस रिकार्ड इस प्लेटफार्म के माध्यम से संधारित किया जाएगा। विभाग हमारे शिक्षक प्लेटफार्म पर शिक्षकों को कई सुविधाएं चरणबद्ध रूप से उपलब्ध करायेगा।

शिक्षकों की ई-अटेंडेंस प्रणाली- हमारे शिक्षक डिजिटल प्रणाली का क्रियान्वयन ट्रायल परीक्षण के रूप में प्रदेश भर में 23 जून से शुरू हो गया है?यह ट्रायल राउण्ड 30 जून तक किया जाएगा। इसके बाद प्रदेश के विभिन्न जिलों में ई-अटेंडेंस प्रणाली को अभिक्रमित करते हुए एक जुलाई से इसका वास्तविक क्रियान्वयन प्रारंभ हो जायेगा। हमारे शिक्षक प्रणाली के माध्यम से आने वाले समय में शासकीय सेवकों के स्वत्वों से संबंधित आवेदन इस प्लेटफार्म के माध्यम से प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसी के बाद उनके हितलाभ संबंधित जानकारी का संधारण तथा व्यक्तिगत लाभ और स्वत्वों आदि के भुगतान का क्रियान्वयन भी किया जाएगा।

इंदौर जिले में क्षय रोग के लक्षण वाले मरीजों की स्क्रीनिंग में लायें गति

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत निक्षय शिविर की बैठक आज कलेक्ट्रेट में सम्पन्न हुयी। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, जिला क्षय अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र जैन, वरिष्ठ सर्जन डॉ. जी.एल. सोढ़ी स?हित अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने इंदौर जिले में चल रहे निक्षय शिविर की प्रगति रिपोर्ट देखी और उसकी समीक्षा की।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे इंदौर जिले में क्षय रोग के लक्षण वाले मरीजों की स्क्रीनिंग में गति लायें। वर्तमान में जितनी स्क्रीनिंग होना चाहिए थी, उस अनुपात में काफी कम है। इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। श्री सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम से जुड़े अधिकारी मैदानी स्तर पर जाकर सर्वे करें और इसकी रिपोर्ट मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दें। सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाईजर अपना कार्य ईमानदारी से करें और सर्वे की रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड करें। श्री सिंह ने कहा कि जो अधिकारी-कर्मचारी अपने कार्य के प्रति लापरवाही बरतेगा, नके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। बैठक में बताया गया कि इंदौर जिले में करीब आठ लाख लोगों की स्क्रीनिंग होना है। इसमें ऐसे लोग शामिल है, जो बीते 5 साल से क्षय रोग के मरीज है, जो मधुमेह बीमारी से पीड़ित हैं, जो धूम्रपान करते हैं, कुपोषित है और जिनकी उम्र 60 वर्ष से अधिक है। ऐसे सभी लोगों की स्क्रीनिंग की जाना है। सर्वे कार्य के लिये इंदौर में 18 केन्द्र बनाये गये हैं जहां सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाईजर के माध्यम से यह सर्वे का कार्य किया जा रहा है। यह सर्वे गत 20 मई से शुरू हुआ जो 100 दिन तक चलेगा।

सभी विभाग पदोन्नति कार्य को दें सर्वोच्च प्राथमिकता

इंदौर। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा कि लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 के तहत पदोन्नति कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाये। यह प्रयास किया जाये कि 31 जुलाई 2025 तक अधिकारी-कर्मचारियों को पदोन्नत किया जा सके। उन्होंने कहा कि राज्य शासन की मंशानुरूप कर्मचारी-कल्याण को प्रमुखता से लें। मुख्य सचिव श्री जैन ने गुरूवार को मंत्रालय में लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 के परिचर्चा के दौरान यह निर्देश विभाग प्रमुखों को दिये।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि 9 साल की बड़ी समस्या इस नियम के लागू होने से समाप्त हो सकेगी। नियमों को बनाने में वरिष्ठ सचिव समिति एवं सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बहुत मेहनत एवं गहन चर्चा की। नियमों के लागू होने से प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी।

कर्मचारी कल्याण को दें प्राथमिकता- मुख्य सचिव श्री जैन ने अधिकारियों से कहा कि अपने विभाग में कर्मचारी-कल्याण को प्राथमिकता दी जाये। विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठकें आयोजित की जाये। कर्मचारियों के गोपनीय प्रतिवेदन, विभागीय जाँच एवं पेंशन प्रकरणों का निराकरण समय से करें।

औद्योगिक विकास, कौशल और रोजगार का होगा संगम

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में औद्योगिक विकास, कौशल उन्नयन और रोजगार सृजन को समर्पित रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड इम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव का भव्य आयोजन 27 जून को रतलाम में होने जा रहा है। यह आयोजन प्रदेश में रोजगार सृजन, उद्यमिता संवर्धन और आत्मनिर्भरता के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प की सिद्धि की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। एमपी राईज 2025 आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण को दिशा देगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर रतलाम में एमपी राइज 2025 कॉन्क्लेव का शुभारंभ करेंगे तथा रीवा, सागर, अलीराजपुर और पीथमपुर में रोजगारमूलक औद्योगिक इकाइयों का भूमि पूजन और लोकार्पण करेंगे। इस कॉन्क्लेव की थीम सफल उद्यमी, समृद्ध उद्योग, समावेशी विकास है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग और तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग की सक्रिय भागीदारी रहेगी। कार्यक्रम का आयोजन औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

रोजगार के ऑफर लेटर और उद्योगपतियो को आशय पत्रों का वितरण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव कॉन्क्लेव में युवाओं को रोजगार के ऑफर लेटर और उद्योगपतियों को भूमि आवंटन और निवेश परियोजनाओं के लिए आशय पत्र वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री चयनित जिलों के हितग्राहियों से संवाद करेंगे और उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन बैंकों को सम्मानित भी करेंगे।

16 नवीन औद्योगिक क्षेत्रों का भूमि-पूजन और 11 राज्य क्लस्टर्स का लोकार्पण- कॉन्क्लेव में 243 करोड़ रुपये लागत के 16 नवीन औद्योगिक क्षेत्रों का भूमि-पूजन और 11 राज्य क्लस्टर्स का लोकार्पण किया जाएगा। दो लाख से अधिक हितग्राहियों को 2400 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि वितरित की जाएगी।

वॉलमार्ट एवं ओएनडीसी के साथ एमओयू- एमएसएमई विभाग और वॉलमार्ट एवं ओएनडीसी के साथ एमओयू किए जाएंगे। साथ ही 2,850 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के आशय पत्र जारी होंगे, जिनसे 5450 से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है।

कॉन्क्लेव में 2500 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है, जिनमें एमएसएमई उद्यमी, बैंक प्रतिनिधि, प्रशिक्षित युवा, विभागीय अधिकारी और निवेशक शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर कॉन्क्लेव में लगाई जा रही प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे।

दो दिवसीय जिला स्तरीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ समापन - चयनित प्रतिभागी राज्य स्तर पर लेंगे भाग

इंदौर। वैज्ञानिक सोच को धरातल पर उतारने वाले ये बाल वैज्ञानिक आसमान को छुएंगे। बच्चों के द्वारा सामाजिक प्रतिबद्धता की अपनी अभूतपूर्व सोच को प्रदर्शित किया गया है। इंदौर में जिला स्तरीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी के समापन अवसर पर संयुक्त कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री विजय कुमार मण्डलोई द्वारा इन्हीं उदगारों से प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर एडीपीसी श्री नरेन्द्र जैन, प्राचार्य श्री क्लॉथ मार्केट वैष्णव बाल मन्दिर गर्ल्स हायर सेकंडरी स्कूल श्रीमती आभा जौहरी, ज्युरी सदस्य श्री सुमित रघुवंशी, श्रीमती अंजली सोनी, नोडल अधिकारी श्री आर के चेलानी, श्री मनोज खोपकर एवं समिति के नोडल अधिकारी उपस्थित थे। प्रदर्शनी के संबंध में श्री राजकुमार चेलानी द्वारा इस सत्र से हायर सेकंडरी स्तर को भी मानक अपलोड करने की सुविधा की जानकारी देते हुए राज्य स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी गई।

ज्यूरी सदस्यों के द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी के मॉडल का मूल्यांकन उपरान्त राज्य स्तरीय आयोजन हेतु 11 विद्यार्थियों को चयनित किया गया। वर्ष 2023-24 के लिए श्रद्धा रघुवंशी, शंकर दुबे, रिया महेश्वरी, स्वाती कामले, आराधया जैन और विजय कंसराम का चयन किया गया। इसी प्रकार वर्ष 2024-25 के लिए सानवी कुमावत, मैत्री पाठक, राजेश, खुशी पगारे, सत्यम और सुधीर गोहे का चयन किया गया।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

फायर एनओसी के लिए पत्र जारी किया जाए एवं जिनके द्वारा आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं उनकी फायर एनओसी रद्द करें - महापौर

उज्जैन। शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय पर महापौर मुकेश टटवाल द्वारा एमआईसी सदस्य श्रीमती दुर्गा शक्ति सिंह चौधरी की उपस्थिति में उपायुक्त मनोज मौर्य, फायर अधिकारी लक्ष्मण प्रसाद साहू एवं अन्य अधिकारियों के साथ फायर विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की गई कि वर्तमान में कितनी फायर एनओसी जारी की गई है एवं कितनी लंबित है साथ ही जो कोई फायर एनओसी नहीं लेता है तो संबंधित पर क्या कार्यवाही की जा सकती है नागरिकों की सुरक्षा का ध्यान रखना नगर निगम की जिम्मेदारी है इसलिए जितनी भी फायर एनओसी लंबित है उनकी जानकारी 7 दिन में उपलब्ध करवाते हुए फायर एनओसी जारी की जाए एवं जिनके द्वारा दी गई समय अवधि में आवश्यक दस्तावेज नहीं उपलब्ध करवाए जाते हैं उनकी फायर एनओसी रद्द करें।

फायर एनओसी के अंतर्गत होटल, अस्पताल, होमस्टे इत्यादि संस्थाओं को फायर अनुमति लेना आवश्यक है, जिसमें तीन प्रकार की केटेगरी का निर्धारण किया गया है जिसमें 500 स्क्वायर मीटर में बनी ऐसी भवन, बिल्डिंग, होटल, अस्पताल, होमस्टे इत्यादि आते हैं, 15 मी से अधिक ऊंचाई में बनी बिल्डिंग तथा 50 सीटर से अधिक की संख्या वाले अस्पताल होटल (बिस्तर वाले) आते है इन्हें फायर एनओसी लेना आवश्यक है।

इसी के साथ फायर ब्रिगेड अंतर्गत कितने फायर फाइटर वाहन है और स्टाफ की जानकारी ली गई जिसमें संबंधित अधिकारी द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि फायर ब्रिगेड अंतर्गत 13 वाहन उपलब्ध है जो की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल स्थल पहुंचकर आग बुझाने का काम करते हैं।

मंदिरों में बाटे अब यही प्रसाद, एक पौधा और थोड़ी सी खाद

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय परिक्षेत्र में अर्ली मॉर्निंग वॉकिंग ऑर्गनाइजेशन द्वारा प्रसिद्ध समाजसेवी स्वर्गीय श्री जगदीश नारंग की स्मृति में पौधे रोपित किए गए। हरियाली की पर्यावरण की रक्षा के लिए जन जागरण अभियान के तहत ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष सुमित नारंग के नेतृत्व में हरियाली खुशी हाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि एडवोकेट मिश्रीलाल चौधरी थे। अध्यक्षता मनोहर बैरागी ने की विशेष अतिथि स्वामी मुस्कुराके शैलेंद्र व्यास थे। मिश्रीलाल चौधरी ने कहा की प्रकृति के संविधान पर हरियाली के हस्ताक्षर का नाम सावन है। हरियाली धरती का श्रृंगार है, प्रकृति की हरीतिमा धरती का वैभव है। अध्यक्षीय उद्बोधन में मनोहर बैरागी ने कहा वन में पशु पक्षियों का जीवन चहकता है जिससे संसार महकता है। पर्यावरण की रक्षा प्रत्येक मानव का धर्म और कर्म है। स्वामी मुस्कुराके ने पर्यावरण की चेतना को जाग्रत करते हुए कहा की वृक्ष प्रकृति के वस्त्र होते हैं। हरियाली झील, झरने, नदी, मानव की सांस होती है। पेड़ पौधे वन के चिराग होते हैं, हरे भरे वन धरती की अमानत होते हैं...मंदिरों मंदिरों में बंटेअब यही प्रसाद, एक पौधा और थोड़ी सी खाद.. गूंजे गुरुद्वारा में वाणी ,दे हर बंदा पौधों में पानी ..सभी चर्च अब दे यह शिक्षा ,उत्तम पर्यावरण यीशु की इच्छा ...अब मस्जिदों में हो यही अजान , दरखूत लगाए हर इंसान। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार कमलेश जाटवा ने किया। आभार प्रदर्शन राकेश जोशी ने माना। इस अवसर पर विवेक सरमंडल ,कमलेश मदसोरिया, अमित अग्रवाल, दयाल वाधवानी, धर्मेंद्र लालवानी, सुनील विजयवर्गी, संजय प्रकाश सक्सेना, श्याम खोचें, मुकेश वाणी सभी ने मिलकर पर्यावरण के लिए नीम, पीपल , आम, बढ़ आदि के पौधे रोपित किये। साथ ही पौधों की सुरक्षा का संकल्प भी लिया और ट्री गार्ड भी लगाए।

नशा मुक्ति दिवस पर भव्य जन जागरण रैली

उज्जैन। नशा मुक्ति दिवस पर जीवनदीप परिवार द्वारा जीवनदीप फिजियोथेरेपी सेंटर खाराकुआँ से एक भव्य जन जागरण रैली भागसीपुरा,नई पेठ,छत्रीचौक पर पम्पलेट वितरण करते हुए बड़ा सराफा,छोटा सराफा,नमक मंडी होते हुए खाराकुआं पर समापन हुआ,समापन के उपरान्त खाराकुआँ मंदिर पर विराजित युवा आचार्य श्री विश्वरत्न सा.सु.म.सा. द्वारा नशा मुक्ति पर विशेष प्रेरणास्प्रद व्याख्यान दिये गए,रैली में शहर के गण्यमान्य नागरिकों के साथ ही जीवनदीप परिवार,जीवनदीप महिला विंग एवं युवा उज्जैन के सक्रिय सदस्यो की उपस्थिति अनुमोदनीय रही उपरोक्त जानकारी जीवनदीप के सक्रिय सदस्य असीम जैन सी.ए.द्वारा दी गई।

अग्रणीय महिलाओं का सम्मान

उज्जैन। अग्रवंशी वूमेन एस क्लब द्वारा समाज की विशिष्ट प्रतिभावन और सेवा के छेत्र मे अग्रणीय महिलाओं का सम्मान किया जाता है इसी श्रृंखला में उज्जैन की हमारे अग्रवाल समाज का गौरव डॉक्टर संगीता पलसानिया जो हाल ही में मुख्य जिला चिकित्सालय(ष्ट.रू ह) अधिकारी बनी है और हमारे समाज की ही एक और प्रतिभाशाली महिला श्रीमती निहारिका मित्तल वाइफ ऑफ़ डॉ मित्तल सिविल हॉस्पिटल जिन्होंने प्रादेशिक स्तर पर टेबल टेनिस में गोल्ड एवं सिल्वर पदक हासिल कर हमारे समाज व उज्जैन का नाम गोरवांवित किया है दोनों महिलाओं का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया अग्रवंशी वूमेन एस क्लब के अध्यक्ष रितु अग्रवाल संरक्षक हेमलता गुप्ता बिना गर्ग. कार्यक्रम की संयोजक पलक बंसल टीना अग्रवाल प्रिया गुप्ता नेहा बंसल दीपिका बंसल मोना अग्रवाल सोनिया अग्रवाल भारती परसमनी नीलम मित्तल रूपाली अग्रवाल नम्रता अग्रवाल अमिता बजाज निकिता बजाज कविता अग्रवाल महिलाओं द्वारा सम्मान किया गया।

नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत हुई नशामुक्ति शपथ विधि

उज्जैन। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत नशामुक्ति शपथ विधि संपन्न हुई।

इस दौरान महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सीमा शर्मा, सहायक प्राध्यापक डॉ.श्रेयस कोरान्ने, डॉ ममता मलिक, नीता पण्ड्या, डॉ गणेश प्रसाद द्विवेदी एवं समस्त स्टाफ तथा छात्रगण उपस्थित रहे।

केंद्रीय भेरूगढ़ जेल में भी लव जिहाद-हिंदू महिलाएं उपवास छोड़कर रख रही है रोजा

मुस्लिम कैदी एक मत होकर करते हैं हिन्दू कैदियों से मारपीट व अवैध वसूली

उज्जैन। केंद्रीय जेल में लव जिहाद फैलने का आरोप लगाते हुए मप्र युवा शिवसेना गोरक्षा न्यास, हिंदू टाइगर फोर्स भारत, राष्ट्रीय हिंदू परिषद भारत सहित हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय भेरूगढ़ जेल में जेल अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपा।

मप्र युवा शिवसेना गोरक्षा न्यास के संस्थापक व अध्यक्ष, हिंदू टाइगर फोर्स भारत, राष्ट्रीय महासचिव मनीष सिंह चौहान ने बताया कि जेल की हिंदू महिला कैदी उपवास को छोड़कर अब रोजा रख रही है जेल में हफ्ते में एक दिन जेल में बंद बंदियों की मुलाकात महिला कैदियों से होती है। संगठन के विशेष सूत्रो से मिली जानकारी अनुसार प्रत्येक रविवार को जेल में बंद पुरुष बंदी महिला बंदी से मुलाकात कराई जाती है।

बड़े दुख का विषय की जेल में मुस्लिम कैदी हिंदू महिलाओं से मुलाकात करते हैं और उनको झूठा लालच देकर तुम्हारी जमानत करवा देंगे तुम्हारे बच्चों की स्कूल फीस दे देंगे तुम्हारे घर का किरयना का सामान भर देंगे ऐसे लालच देकर हिंदू धर्म छोड़कर मुस्लिम धर्म में आने का लालच दिया जा रहा है। लव जिहादियो ने जेल को भी लव जिहाद का अड्डा बना लिया है। दूसरी ओर महिला कैदी से वह लोग मुलाकात करते हैं प्रत्येक रविवार को अगर महिला का पति जेल में बंद हो तो उसको मिलने की अनुमति रहती है या महिला का भाई जेल में बंद हो तो उसको मिलने की अनुमति रहती है। ऐसे में सवाल है कि मुस्लिम कैदी हिंदू महिला से मिलकर उसको धर्मांतरण करने पर जोर देता है उनके कहने में आकर हिंदू महिला बंदी उपवास पूजा पाठ छोड़कर रोजा रखना चालू कर देती है। विश्वसनीय सूत्र के हवाले से पूरे प्रमाण के साथ जानकारी मिली है कि मुस्लिम कैदी बड़ी मात्रा में जेल के बेरीग में रहते हैं और हिंदू कैदियों के साथ मारपीट कर उनसे अवैध वसूली भी करते हैं। इस संबंध में संगठन द्वारा मुख्यमंत्री और जेल महानिरीक्षक भोपाल को ईमेल के माध्यम से ज्ञापन प्रस्तुत किया गया है। संगठन के कार्यकर्ताओं ने जेल पहुंचकर ज्ञापन देने के साथ अधिकारी से कहा कि अगर आपके द्वारा लव जिहाद करने वाले के खिलाफ कार्यवाही नहीं की गई तो अगली बार हिंदूवादि संगठन के 1000 से अधिक कार्यकर्ता जेल के अंदर जाकर जेल भरो आंदोलन करेंगे। आंदोलन में आज मुख्य रूप से राष्ट्रीय हिंदू परिषद भारत के प्रदेश अध्यक्ष मुरली निगम, गौ रक्षा न्यास के प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश कुमावत, राष्ट्रीय हिंदू परिषद भारत के प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार झांझोट, मंजू सोनी, दीपिका पवार, चंद्रकांत, लखन चावला, संदीप चावला, अमन चौहान, अजय चवढ़ा, गोलू चावला, राहुल चावड़ा, राहुल जाट, अजय धमाधार, नितेश राव, गोविंद चौधरी, गजेंद्र मराठा उपस्थित थे। यह जानकारी विश्वास सिंह चौहान ने दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com